पंचांगबोध

गुरु गोचर 2027

गुरु का पूरा वर्ष, तिथि-दर-तिथि

गुरु, राशि-दर-राशि

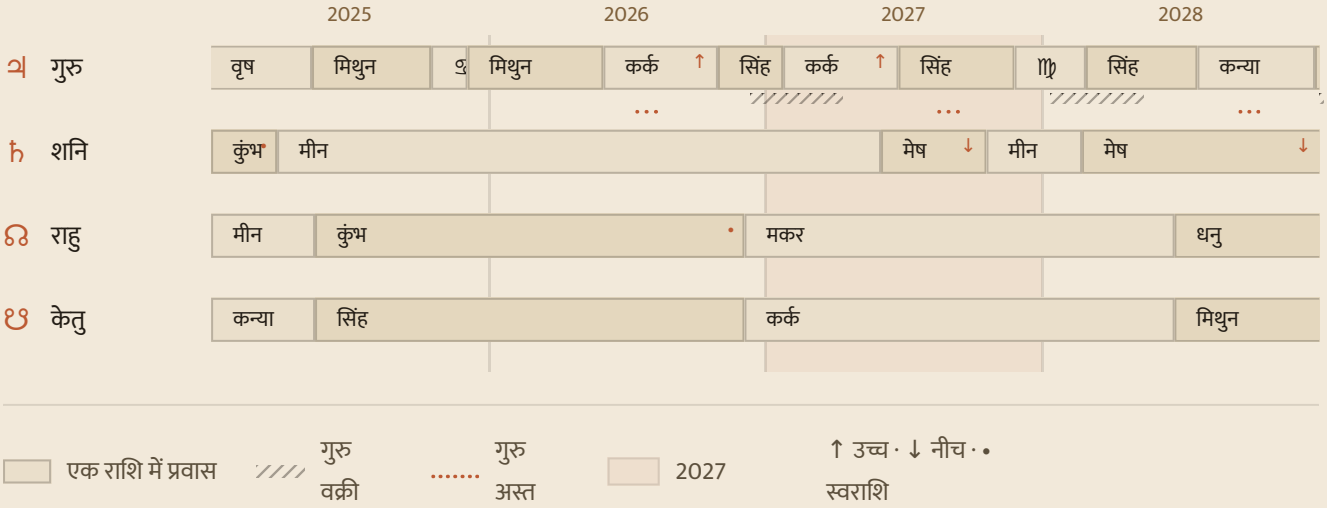
25 जनवरी ♋ कर्क · उच्च राशि
26 जून ♌ सिंह · सिंहस्थ
26 नवंबर ♍ कन्या · पहला प्रवेश

निरयण · लाहिड़ी अयनांश · भारतीय समय · नई दिल्ली
शोध पर आधारित पंचांग · हर पाठक के लिए एक ही पुस्तक

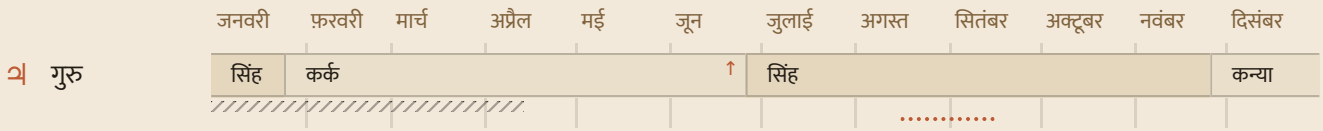
केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 55 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · गुरु गोचर 2027

गुरु की समय-सारणी

चार वर्ष, चार पंक्तियाँ · गुरु, शनि, राहु और केतु, 2025 से 2028



2027 एक पंक्ति में · गुरु की राशि-स्थिति, वक्री और अस्त काल



ऊपर की पंक्ति इस पुस्तक का विषय है। गुरु एक राशि लगभग एक वर्ष में पार करते हैं, पर हर वर्ष का वक्री काल अधिकांश सीमाओं को तीन बार पार कराता है: 2026 और 2027 में कर्क और सिंह की सीमा, 2027 और 2028 में सिंह और कन्या की। कर्क की उच्च पट्टियों पर तीर है; छोटी पट्टियाँ वक्री काल की हैं।

नीचे शनि मीन से मेष में जाकर लौटते हैं, और राहु-केतु 24 जून 2028 तक मकर-कर्क धुरी पर हैं — इसलिए 2027 के उच्च प्रवास में कर्क में गुरु के साथ केतु हैं। गुरु की पंक्ति के नीचे की हर बिंदुदार रेखा सूर्य के तेज़ में बीता एक महीना है, वर्ष में एक बार।

कर्क में उच्च

आश्लेषा, वक्री वापसी, और 22 अंश 45 कला पर मोड़

25 जनवरी को गुरु वक्री चाल में कर्क में आते हैं, बुध के नक्षत्र आश्लेषा के चौथे चरण में। वे तीसरे और दूसरे चरण से पीछे खिसकते हुए 13 अप्रैल को 22 अंश 45 कला पर मार्गी होते हैं, फिर उन्हीं अंशों से आगे बढ़कर राशि के छोर तक पहुँचते हैं और 26 जून को 05:18 बजे कर्क छोड़ देते हैं।

केतु पूरे वर्ष कर्क में हैं, और गुरु उनसे दो बार मिलते हैं — 1 मार्च और 20 अप्रैल को; 10 मार्च से 26 अप्रैल तक अपनी नीच राशि में आए मंगल भी उनके साथ हैं — एक राशि में तीन ग्रहों का वर्ष का पहला समूह। कर्क से गुरु की दृष्टि वृश्चिक, मकर — जहाँ राहु हैं — और मीन पर पड़ती है, जहाँ शनि हैं; इसीलिए पंचांग इस दौर को साढ़े साती वाली चंद्र राशियों के लिए राहत गिनते हैं।

उच्च राशि में गुरु

शास्त्र कर्क को गुरु की उच्च राशि कहते हैं, जिसका परम बिंदु 5 अंश है, जहाँ गुरु पूरे बल में होते हैं। 2027 में गुरु यह राशि पाँच महीने रखते हैं, पर केवल उसके अंतिम तिहाई में; उच्च राशि में गुरु की स्थिति बलवान है, पर पंचांग उसे उन्हीं चंद्र राशियों के लिए शुभ पढ़ते हैं जिनके शुभ भाव में वह पड़ती है — सबके लिए एक-सा वादा नहीं।

तिथिवार घटनाएँ, 1 जनवरी से 26 जून

25 जनवरी	01:31	♃ गुरु · कर्क में वापसी
25 जनवरी	01:31	☽ आश्लेषा · चरण 4 · वक्री
19 फ़रवरी	21:05	☽ आश्लेषा · चरण 3 · वक्री
1 मार्च	16:34	गुरु–केतु युति · कर्क 25°28′
25 मार्च	03:22	☽ आश्लेषा · चरण 2 · वक्री
13 अप्रैल	08:12	♃ गुरु · मार्गी · कर्क
20 अप्रैल	06:16	गुरु–केतु युति · कर्क 22°50′
2 मई	19:22	☽ आश्लेषा · चरण 3
4 जून	22:00	☽ आश्लेषा · चरण 4

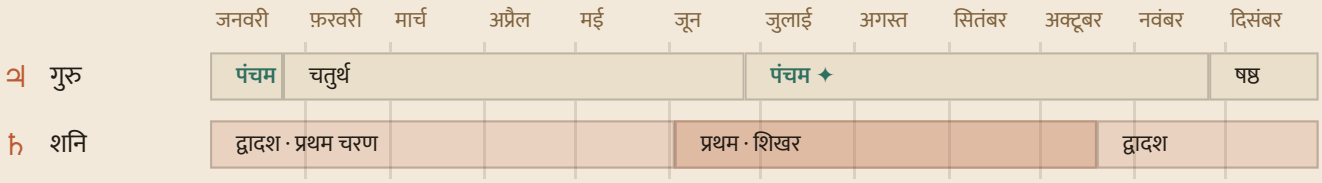
केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 55 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · गुरु गोचर 2027

♈ मेष

चंद्र राशि

आपकी साढ़े साती के वर्ष में गुरु सहारा हैं: पंचम भाव में, एक शुभ स्थान से आपकी चंद्र राशि को देखते हुए — 25 जनवरी तक और फिर 26 जून से 26 नवंबर तक। कर्क का उच्च प्रवास आपके चतुर्थ भाव में पड़ता है, और 26 नवंबर से कन्या आपका षष्ठ भाव है।

आपका 2027 · आपकी चंद्र राशि से गुरु और शनि के भाव · ✦ शुभ भाव



चंद्र राशि से गुरु · शास्त्रों में फल

✦ शुभ भाव

♃ सिंह में गुरु 25 जनवरी तक	5✦ भाव	संतान · मान-सम्मान संतान-सुख, सही परामर्श और बड़ों की कृपा। पढ़ाई, रचनात्मक काम और संतान के विषयों के लिए अनुकूल।
♃ कर्क में गुरु · उच्च 25 जनवरी – 26 जून	4 भाव	परिवार · मन घर में चिंता और संबंधियों से कष्ट। संपत्ति और घरेलू निर्णयों में धीमे चलें।
♃ सिंह में गुरु 26 जून – 26 नवंबर	5✦ भाव	संतान · मान-सम्मान संतान-सुख, सही परामर्श और बड़ों की कृपा। पढ़ाई, रचनात्मक काम और संतान के विषयों के लिए अनुकूल।
♃ कन्या में गुरु 26 नवंबर – 28 फ़रवरी 2028	6 भाव	स्वास्थ्य · कामकाज विरोधियों से टकराव, छोटे रोग और चिंता। स्वास्थ्य की दिनचर्या बनाए रखें; विवादों से दूर रहें।
♃ सिंह में गुरु 28 फ़रवरी 2028 – 24 जुलाई 2028	5✦ भाव	संतान · मान-सम्मान संतान-सुख, सही परामर्श और बड़ों की कृपा। पढ़ाई, रचनात्मक काम और संतान के विषयों के लिए अनुकूल।

शुभ भाव में गुरु	1–25 जनवरी · 26 जून – 26 नवंबर
चंद्र राशि पर गुरु की दृष्टि	1–25 जनवरी · 26 जून – 26 नवंबर
मूर्ति	25 जनवरी कर्क · रजत · 26 जून सिंह · स्वर्ण · 26 नवंबर कन्या · ताम्र स्वर्ण श्रेष्ठ, रजत बहुत शुभ, ताम्र मध्यम, लौह सबसे कठिन

आपकी अपनी कुंडली

ये फल चंद्र राशि के लिए शास्त्रों के बताए हुए हैं। इनमें से कितना आप तक पहुँचेगा, यह आपकी जन्म कुंडली — गुरु का अपना बल, आपका लग्न और आपकी दशा — तय करती है। अपनी कुंडली यहाँ देखें: panchangbodh.com/hi/janam-kundali

पंचांगों से मिलान

गुरु के 2027 के राशि-प्रवेश प्रकाशित पंचांगों के साथ — नई दिल्ली, भारतीय मानक समय, 8 नवंबर 2026 को देखे गए

घटना	दिनांक	यह पुस्तक	द्रिक पंचांग	अन्य पंचांग
गुरु की कर्क में वापसी	25 जनवरी 2027	**01:31**	00:52	एस्ट्रोमित्र 02:12
गुरु का सिंह में प्रवेश	26 जून 2027	**05:18**	05:43	एस्ट्रोमित्र 04:50
गुरु का कन्या में प्रवेश	26 नवंबर 2027	**18:45**	19:17	एस्ट्रोमित्र 18:06

हर तिथि मेल खाती है। मिनटों में लगभग चालीस तक का अंतर है, और हर पंचांग के समय गुरु की हर पंक्ति पर लाहिड़ी के एक ही थोड़े अलग मान से मेल खाते हैं — 25 जनवरी का वक्री प्रवेश उलटी दिशा में खिसकता है। यह भूल नहीं, परिपाटी का निशान है; अगला पृष्ठ इसका कारण बताता है।

दक्षिण के वाक्य पंचांग, जिन्हें अनेक मंदिर मानते हैं, गुरु की गणना पुरानी सारणियों से करते हैं और गुरु पेयर्ची को इन तिथियों से सप्ताहों दूर रख सकते हैं। यह अंतर पद्धति का है, और अगला पृष्ठ इसका नाम लेता है।

स्रोत

ग्रह-स्थिति	सेकंड तक गणना, और नासा जेपीएल की डीई431 ग्रह-सारणी से जाँची हुई: जिस 2027 की आकाश-फ़ाइल पर यह पुस्तक टिकी है, उसके 92 राशि-प्रवेश, स्तंभन, अमावस्या और पूर्णिमा में से 89 मिनट तक मेल खाते हैं; बाकी तीन में एक मिनट का अंतर है।
अयनांश	लाहिड़ी (चित्रापक्ष), जैसा भारत की पंचांग सुधार समिति ने अपनाया।
गोचर फल	मंत्रेश्वर की फलदीपिका, अध्याय 26 (गोचर-फल)।
ग्रहों का बल	बृहत् पराशर होरा शास्त्र: उच्च, नीच और स्वराशियाँ।
गुरु-वर्ष	वराहमिहिर की बृहत् संहिता, अध्याय 8, एन. चिदंबरम अय्यर के अनुवाद (1884) में।
सिंहस्थ	महाराष्ट्र सरकार का 1 जून 2025 का कार्यक्रम, जैसा पीटीआई और द वीक ने प्रकाशित किया।